newsjankalyanseva@gmail.com

जनकल्याण सेवा

साप्ताहिक

ठाणे | वर्ष - २२ | अंक - ४४ | २० से २६ नवंबर २०२३ | पृष्ठ - ४ | कीमत : २ रु. | Postal Reg. No. PLG/08/2022-2024

संपादकीय

संपादक सीमा गुप्ता

२००० का नोट, १०,००० करोड़ गायब !

नोटबंदी के सात साल बाद बाजार में मौजूद नकदी में एक बड़ी गिरावट देखी जा रही है। इस नकदी में ७४,७२८ करोड़ रुपए की गिरावट आई है। जानकारों का मानना है कि यह गिरावट मुख्य रूप से आरबीआई के इस साल १९ मई को २,००० रुपए मूल्यवर्ग के नोटों को प्रचलन से वापस लेने के फैसले के कारण है। अब सरकार के पास काफी हद तक २,००० रुपए के नोट वापस आ चुके हैं। मगर समय सीमा बढ़ाए जाने के बाद भी करीब १०,००० करोड़ रुपए मूल्य के २,००० के नोट वापस नहीं आए हैं। ऐसे में यह यक्ष प्रश्न है कि इतनी बड़ी रकम आखिर गई कहां ? देश में आए दिन काला धन पकड़ा जा रहा है। मगर इन दिनों उसमें हरे नोट यानी ५०० के नोट ही नजर आते हैं। जानकारों का अनुमान है कि १०,००० करोड़ के नोटों का न आना इस बात का संकेत हो सकता है कि इतनी बड़ी संख्या में २,००० के नोटों का काला धन होगा कि उसे बदलवा पाना संभव नहीं होगा। जितना संभव हुआ लोगों ने बदलवा लिया। सरकार द्वारा ८ नवंबर, २०१६ को नोटबंदी की घोषणा के बाद पहली बार २०२३ की अप्रैल–अक्टूबर अवधि के दौरान जनता के पास मुद्रा में साल–दर–साल २.२८ प्रतिशत की गिरावट आई। अभी भी नकदी भुगतान का पसंदीदा तरीका बनी हुई है। २० अक्टूबर, २०२३ को समाप्त पखवाड़े में चालू वित्त वर्ष में अब तक ७४,७२८ करोड़ रुपए कम होकर ३२.०१ लाख करोड़ रुपए रहा। यह गिरावट मुख्य रूप से २,००० रुपए मूल्यवर्ग के नोटों को प्रचलन से वापस लेने के फैसले के कारण है। जब २,००० रुपए के नोटों को वापस लेने की घोषणा की गई थी, तब उनका मूल्य ३.६२ लाख करोड़ रुपए था, जबकि १०,००० करोड़ रुपए के नोट अभी भी आरबीआई के पास वापस नहीं आए हैं। हालांकि, जनता के पास नकदी अभी भी ४ नवंबर २०१६ के १७.९७ लाख करोड़ रुपए से ७८ प्रतिशत या १४.०४ लाख करोड़ रुपए अधिक है। जनता के पास नकदी २५ नवंबर, २०१६ को दर्ज की गई ९.११ लाख करोड़ रुपए से २५१ प्रतिशत अधिक है। नवंबर २०१६ में सिस्टम से ५०० रुपए और १,००० रुपए के नोटों को वापस लेने के बाद जनता के पास नकदी, जो ४ नवंबर २०१६ को १७.९७ लाख करोड़ रुपए थी, नोटबंदी के तुरंत बाद जनवरी २०१७ में घटकर ७.८ लाख करोड़ रुपए रह गई थी। जनता के पास मौजूद मुद्रा का निर्धारण बैंकों के पास मौजूद कुल मुद्रा से नकदी घटाने के बाद किया जाता है। प्रचलन में मुद्रा से तात्पर्य किसी देश के भीतर नकदी या मुद्रा से है, जिसका उपयोग उपभोक्ताओं और व्यवसायों के बीच लेनदेन करने के लिए प्रत्यक्ष रूप से किया जाता है। सिस्टम में नकदी लगातार बढ़ रही है, भले ही सरकार और आरबीआई ने लेस कैश सोसायटी पर जोर दिया, भुगतान का डिजिटलीकरण किया और विभिन्न लेनदेन में नकदी के उपयोग पर प्रतिबंध लगा दिया। नवंबर २०१६ में नोटों की अचानक वापसी ने अर्थव्यवस्था को हिलाकर रख दिया था। मांग में गिरावट आई थी, व्यवसायों को संकट का सामना करना पड़ा था और जीडीपी की वृद्धि में लगभग १.५ प्रतिशत की गिरावट आई थी। नोटबंदी के बाद कई छोटी इकाइयां बुरी तरह प्रभावित हुईं और उनके शटर बंद हो गए। इससे तरलता की कमी भी पैदा हो गई।

हत्या के आरोप में सोनु मेंटल गिरफ्तार, हत्या या आतमहत्या

जेकेएस संवाददाता

मीरारोड : गुरुवार की रात मीरा रोड में दो गुटों में हुई लडाई में जहां दो लोग विपिन सिंह और आशुतोष मिश्रा घायल हो गए, वहीं सलाउद्दीन नामक एक व्यक्ति की मौत हो गई है। विपिन सिंह की शिकायत पर पुलिस ने सोनू मेंटल सहित तीन लोगों पर हत्या के प्रयास के लिए आईपीसी की धारा ३०७ के तहत मामला दर्ज किया है। वहीं सलाउद्दीन की मौत पर पुलिस ने दुर्घटनात्मक मौत दर्ज किया है। सल्लाउद्दीन की मौत एक तीन मंजिला इमारत की छत से नीचे गिरने से हुई है। सलाउद्दीन की मौत हत्या है या आत्महत्या या फिर यह एक दुर्घटनावश हुई मौत है, पुलिस इसकी जांच कर रही है। मामला कुछ इस प्रकार है कि गुरुवार की रात को विपिन सिंह और आशुतोष सिंह का सोनू मेंटल से झगडा हो गया था। इसके वाद सोनू मेंटल ने सलाउद्दीन व अन्य लोगों के साथ विपिन और आशुतोष पर तलवार और वेस

सल्लाउद्दीन

इसी इमारत की छत से सलाउद्दीन नीचे गिरा।

वॉल स्टिक से हमला कर दिया। गौरतलब है कि विपिन सिंह एक भाजपा नेता का करीबी रिश्तेदार है। पुलिस ने सोनू को घटनास्थल से ही गिरफ्तार कर लिया था, जबकि सल्लाउद्दीन फरार हो गया था। दर्ज एफआईआर में सोनू मेंटल के साथ सल्लाउद्दीन भी आरोपी था, वहीं उसकी मौत ने विपिन सिंह और आशुतोष को भी शक के कटघरे में खडा कर दिया है। सल्लाउद्दीन की मौत के समय का एक ऑडियो भी वायरल हो रहा है, जिसमें वो कह रहा है कि तीन लोगों ने उसे एक तीन मंजिला इमारत की छत से नीचे फेंक दिया। गौरतलब है कि सल्लाउद्दीन की मौत के समय विपिन सिंह और आशुतोष मिश्रा पुलिस स्टेशन में थे। विश्वस्त सूत्रों की माने तो दोनों गुटों का एक करीबी लोकेश जैन नामक व्यक्ति मध्यस्थता कर रहा था। लोकेश जैन दोनों गुटों को सुलह तक ले आया था। इसी की फोन पर बातचीत भी हुई थी, जिसमें सल्लाउद्दीन ने कहा कि उसे तीन लोगों ने छत से फेंक दिया है। ऐसे में प्रश्न उठता है कि किन लोगों ने सल्लाउद्दीन को छत से नीचे फेंका। बता दे कि सल्लाउद्दीन आपराधिक छवि वाला व्यक्ति था। पुलिस मामले की तह तक पहुंच रही है। सभी सीसीटीवी फुटेजखंगाले जा रहे हैं। जल्द ही सभी कडि़यों को जोडक़र मामला सुलझा लिया जाएगा ऐसा पुलिस निरीक्षक विलास सुपे ने कहा है.

उद्धव की शिवसेना जनता का काम नहीं होना देना चाहती - प्रताप सरनाईक

जेकेएस संवाददाता

भायंदर। मुंब्रा में ऑफिस का कब्जा लेने को लेकर दोनों शिवसेना में हुए विवाद के बाद मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की शिवसेना ने अब फुटपाथ पर ऑफिस खोलना शुरू कर दी हैं।इस मुहिम के तहत मीरा भायंदर में पांच ठिकानों पर कंटेनर कार्यालय शुरू किए गए हैं।जिसका महाविकास आघाडी के अलावा मनसे ने भी जोरदार विरोध किया है और कंटेनर नहीं हटाने पर आंदोलन की चेतावनी दी है। कांग्रेस नेता दीपक बादडी के मुताबिक शिवसेना शिंदे गुट की पांच शाखा फुटपाथ पर कंटेनर रखकर खोली गई है। इनमें से भगवा कंटेनर गोडदेव, इंद्रलोक,गोल्डन नेस्ट,नवघर और

रामदेव पार्क चौराहे पर रखे गए हैं।स्थानीय शिवसेना विधायक प्रताप सरनाईक के हाथों इनका उद्घघाटन भी कर दिया गया है।इस बात की भनक लगने पर शिवसेना (उद्धव ठाकरे)कांग्रेस तथा मनसे इसके खिलाफ आक्रामक हो गई है। सोमवार को तीनों पार्टी के नेताओं ने संयुक्त रूप से अतिरिक्त आयुक्त अनिकेत मनोरकर से मुलाकात कर कार्रवाई की मांग की। मनोरकर ने आयुक्त से बात कर एक्शन लेने का वादा दिया है। बादडी ने बताया कि अगर दो दिनों के भीतर कंटेनर हटाए नहीं जाते हैं, तो तीनों पार्टी संयुक्त रूप से मीरा भायंदर मनपा पर मोर्चा निकालेंगी। शिवसेना विधायक प्रताप सरनाईक ने कहा कि कंटेनर कार्यालय जनता की सुविधा के लिए ही रखे गए है। इनमें हम जनता के ही काम करेंगे।फुटपाथ पर फेरीवाले,अवैध स्टॉल की भरमार है।लोगों का पैदल चलना दूभर है। सरनाईक ने कहा कि मीरा भायंदर में शिवसेना के जितने कार्यालय हैं,उन्होंने ही बनाया है लेकिन उनमें शिवसेना उद्धव के नेताओं का कब्जा है।उसे हम लेना चाहते हैं तो शिवसेना (उद्धव)उसका विरोध करती है। जब हम कंटेनर कार्यालय में काम करना चाहते हैं तो भी विरोध करती है।उद्धव की शिवसेना जनता का काम नहीं होना देना चाहती है। सरनाईक ने कहा कि मीरा भायंदर शहर में तमाम राजनीतिक पार्टियों के अवैध कार्यालय अतिक्रमण कर बनाए गए हैं।मेरे कार्यालय के साथ उन पर कार्यालय पर भी कार्रवाई होनी चाहिए।

नियुक्तियों को रद्द नहीं किया गया, चर्चा के बाद निर्णय लेने का निर्देश

भाईंदर : बीजेपी जिलाध्यक्ष किशोर शर्मा ने हाल ही में मीरा–भाईंदर के मंडल अध्यक्षों की नियुक्ति की थी । अब बीजेपी प्रदेश संगठन ने इन नियुक्तियों पर रोक लगाते हुए किशोर शर्मा के निर्णय को रद्द कर दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, वीजेपी प्रदेश महामंत्री विक्रांत पाटील ने जिलाध्यक्ष किशोर शर्मा को पत्र लिखकर सभी नियुक्तियों को रद्द करने के निर्णय से अवगत कराया है। गौरतलब है कि तीन महीने पूर्व किशोर शर्मा को बीजेपी का

पृष्ठ २ पर

न्यायालय में कामकाज की शुरुआत होने का इंतजार शहरवासी बेसब्री से कर रहे हैं

भायंदर : अमूमन न्यायालयों में चलने वाले केसों (मामलों) को तारीख पर तारीख मिलने की बात प्रचलित है, लेकिन मीरा –भायंदर शहर में स्वतंत्र न्यायालय के शुरू होने की तारीख पर तारीख मिलते देखी जा रही है। हालांकि हाल ही में राज्य सरकार के सार्वजनिक निर्माण विभाग ने न्यायालय की इमारत को ओसी (ऑक्यूपेंसी सर्टिफिकेट) प्रदान कर दी है। जिससे नए वर्ष में मीरा –भायंदर शहर में न्यायालय शुरू होने के आसार दिखाई दे रहे हैं। न्यायालय में कामकाज की शुरुआत होने के बाद शहरवासियों को ठाणे सत्र न्यायालय के चक्कर लगाने से मुक्ति मिल जाएगी और समय तथा पैसे की भी बचत होगी। तेजी से विकसित हो रहे मीरा भायंदर की बढती आबादी और शहरीकरण के कारण यहां अपराधों के प्रमाण , जमीन –जायदाद और पारिवारिक विवादों में भी वृद्धि हुई है। जिसका निपटारा अभी ठाणे सत्र न्यायालय में होता है। जिससे नागरिकों के साथ साथ पुलिस व मनपा प्रशासन के अधिकारियों –कर्मचारियों को ठाणे के चक्कर काटने पडते हैं। ठाणे की दूरी और नियमित ट्रैफिक जाम के कारण इसमें समय और ईंधन की व्यर्थ बर्बादी होती है। शहरवासियों की लगातार मांग और विधायक प्रताप सरनाईक के प्रयासों से १९ मार्च २०१३ में राज्य सरकार ने मीरारोड पूर्व में बस स्टॉप क्रमांक १५ के पास घोडबंदर गाँव के सर्वे क्रमांक २३३ की भूखंड पर ४३५३.५७ चौरस मीटर क्षेत्रफल में स्वतंत्र न्यायालय की इमारत बनाने की मान्यता दी थी। राज्य सरकार के सार्वजनिक निर्माण विभाग के प्रस्ताव पर ११ अगस्त २०१४ को मनपा प्रशासन ने न्यायालय की इमारत निर्माण करने की मंजूरी दी थी ।इसके बाद न्यायालय निर्माण का कार्य शुरू किया गया था, लेकिन निधी की कमी के कारण २०१७ में निर्माण कार्य रुक गया था। इसके बाद विधायक सरनाईक और गीता जैन के प्रयासों से निधी प्राप्त होने से वर्तमान में न्यायालय की इमारत का निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है और अब न्यायालय में कामकाज की शुरुआत होने का इंतजार शहरवासी बेसब्री से कर रहे हैं। राज्य सरकार के सार्वजनिक निर्माण विभाग ने न्यायालय इमारत के हस्तांतरण की प्रक्रिया शुरू की है। इमारत को ओसी और अग्निशमन विभाग का प्रमाणपत्र मिल गया है। न्यायालय के न्यायधीशों व अधिकारियों –कर्मचारियों की नियुक्ति,उनके वेतन खर्च की मंजूरी, न्यायधीशों के निवास स्थान की व्यवस्था के बाद अगले साल नव वर्ष में न्यायालय में कामकाज की शुरुआत हो जायेगा ऐसा विधायक प्रताप सरनाईक ने कहा है.

शांती नगर की अशांती भंग होने की संभावना

मीरारोड : मीरारोड पूर्व के शांतिनगर सेक्टर १,२,३,४ के दुकानदारों और फेरीवालों के बीच संघर्ष के आसार बढ.गए हैं। हालांकि मनपा और पुलिस अधिकारियों तथा विधायक गीता जैन की मध्यस्थता से दीपावली पर्व को देखते हुए भाईदूज तक दुकानों के बाहर फेरी लगाने देने का निर्णय लिया गया है। उसके बाद पुन: एक बार शांति नगर की अशांति भंग होने की संभावना व्यक्त की जा रही है। बता दें कि आजाद हॉकर्स यूनियन द्वारा १ मई २०१४ के केंद्र सरकार के निर्णय और सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के आधार पर १२४ फेरीवालों को फेरी लगाने देने के लिए गुरुवार को मनपा मुख्यालय पर शांतिपूर्ण धरना प्रदर्शन करने का पत्र भायंदर पुलिस थाने को दिया गया था। धरना प्रदर्शन से पूर्व ही यूनियन के शिष्ठमंडल ,नया नगर पुलिस थाने के वरिष्ट पुलिस निरीक्षक विलास सूपे तथा मनपा उपायुक्त मारुति गायकवाड के बीच एक बैठक संपन्न हुई। जिसमे यह तय किया गया की २०१४ के निर्णय के अनुसार पात्र फेरीवालों को फेरी लगाने दिया जाए। मनपा उन फेरीवालों पर कारवाई नहीं करेगी। बैठक में हुए इस निर्णय के बाद गुरुवार शाम को जब फेरीवाले वहां फेरी लगाने गए तो दुकानदारों ने उनका विरोध शुरू कर दिया। सभी दुकानदार अपनी दुकानों के सामने फेरी नही लगाने देने के लिए एकजुट हो गए। दुकानदारों ने उनकी दुकानों के बाहर फेरी लगाए जाने पर अपनी दुकानें बंद कर लेने की घोषणा की। जिससे माहौल तनावपूर्ण हो गया। व्यापारियों ने फेरिवाला मुक्त हो शांति नगर के नारे लगाते हुए दुकानें बंद रखी। विवाद बढता देख पुलिस और मनपा प्रशासन वहां पहुंचकर मामले को शांत करने के प्रयास में जुट गए।

पृष्ठ २ पर

मनपा में भ्रष्टाचार का बोलबाला, अनुमती जांच के लिए आनाकानी

भायंदर : एंटी करप्शन ब्यूरो ने राज्य सरकार के नगरविकास विभाग के मार्फत मीरा भायंदर महानगरपालिका से २७ अधिकारियों के भ्रष्ठाचार की जांच करने की अनुमति मांगी थी। जिसमें से ५ अधिकारियों की जांच को मनपा ने नकार दिया, लेकिन २२ अधिकारियों के जांच की अनुमति को विगत ३ वर्षों से प्रलांबित रखा है। इसका खुलासा सूचना अधिकार के तहत मांगी गई जानकारी से हुआ है। आरटीआई कार्यकर्ता कृष्णा गुप्ता ने इस प्रकरण में मनपा आयुक्त संजय श्रीपतराव काटकर से आस्थापन विभाग के प्रमुख सुनील यादव के खिलाफ अनुशासन हीनता की कारवाई करने की लिखित मांग ११ सितंबर और ४ अक्टूबर २०२३ को की थी, लेकिन अब तक कोई कारवाई नहीं की गई है। हालांकि मनपा आयुक ने इस पर शीघ्र संज्ञान लेने का आश्वासन गुप्ता को दिया है। बता दें कि शहर के विभिन्न नागरिकों ने मनपा के अधिकारियों द्वारा किए जा रहे भ्रष्ठाचार के जांच की मांग एंटी करप्शन विभाग से की थी। जिसकी छानबीन कर एसीबी ने २७ अधिकारियों के भ्रष्ठाचार की जांच जरूरी समझी थी। इसी के मद्देनजर प्रिवेंशन ऑफ करप्शन एक्ट १९८८ की कलम १७(ए) के तहत नगरविकास विभाग से मनपा के अधिकारियों की जांच करने की अनुमति मांगी थी। जिसे नगर विकास विभाग ने मनपा आयुक्त को प्रेषित कर दिया था। मनपा की तरफ से जांच की अनुमति देने में ३ वर्षों से विलंब की जा रही है। राज्य सरकार के अधीनस्थ अधिकारियों कर्मचारियों के ऑफिशियल ड्यूटीज एक्ट २००५ (एक्ट २१ ऑफ २००६) के अनुसार उनके आधिकारिक कर्तव्यों का निर्वहन कार्य दिवस के ७ दिन अथवा अधिकतम ९० दिन में करना अनिवार्य और बंधन कारक है। इसके बावजूद ३ वर्षों से जांच की अनुमति को प्रलंबित रखा गया है। इस संबंध में मनपा के अस्थापना विभाग उपायुक्त मारुति गायकवाड से पूछने पर उन्होंने बताया की वे फिलहाल अवकाश पर हैं, इसकी पूरी जानकारी उन्हें नही है। जानकारी लेने के बाद वे अधिकृत प्रतिक्रिया दे सकेंगे। एसीबी द्वारा मनपा के अधिकारियों के भ्रष्ठाचार की जांच की अनुमति नहीं देकर सीधे –सीधे उनको सरंक्षण देने और भ्रष्ठाचार को बढावा देने का कार्य किया जा रहा है। इससे ऐसा प्रतीत होता है कि भ्रष्ठाचार में सभी की मिलीभगत है ऐसा आरटीआई कार्यकर्ता कृष्णा गुप्ता ने कहा है.

मुंबई, ठाणे, पालघर, कोकण में छाए बादल, बेमौसम बारिश से बिगाडेगा मिजाज!

मुंबई : दिवाली के बाद से राज्य में कुछ जगहों पर बेमौसम बारिश हुई है, जो किसानों से साथ सभी लोगों की मिजाज को बिगाड़ने का काम कर रही है। भारतीय मौसम विभाग ने अनुमान जताया है कि मुंबई, ठाणे, पालघर और कोकण इलाकों में बादल छाए रहेंगे। इसके साथ ही राज्य में कुछ स्थानों पर हल्की बारिश की बौछारें पड़ सकती है। दूसरी तरफ सतारा, पुणे, कोल्हापुर और सांगली में तेजी से पारा गिर रहा है। भारतीय मौसम विभाग द्वारा व्यक्त पूर्वानुमान के मुताबिक, अगले २४ घंटों में राज्य में बेमौसम बारिश हो सकती है। साथ ही अगले सप्ताह से राज्य में ठंड का जोर और बढ़ जाएगा। मौसम विभाग ने अनुमान जताया है कि मुंबई, ठाणे, पालघर और कोकण इलाकों में कुछ जगहों पर हल्की बारिश की बौछारें पड़ेंगी। कम दबाव का क्षेत्र भले ही अब अरब सागर के ऊपर से हट गया है, लेकिन बंगाल की खाड़ी में एक कम दबाव का क्षेत्र बन गया है। मौसम विभाग ने इसका असर देशभर के मौसम पर पड़ने की संभावना जताई है। आईएमडी की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक, बंगाल की खाड़ी के ऊपर पश्चिम उत्तर पश्चिम दिशा की ओर बढ़ रहे कम दबाव का क्षेत्र तेजी से विकसित होगा। इसके चलते दक्षिण में केरल और तमिलनाडु में पिछले दो दिनों में बारिश हुई है। मौसम विभाग ने भविष्यवाणी की है कि सतारा, पुणे, कोल्हापुर और सांगली के साथ–साथ पश्चिमी महाराष्ट्र में तापमान में गिरावट देखने को मिलेगी और मौसम शुष्क रहेगा। मौसम विभाग के मुताबिक, जम्मू–कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और अन्य हिस्सों में बारिश और बर्फबारी की संभावना है। त्रिपुरा में अगले २४ घंटों में भारी बारिश की आशंका है। इसके अलावा असम, मणिपुर, मिजोरम और नागालैंड में भारी बारिश होगी। इसके अलावा ओडिशा और पश्चिम बंगाल के कुछ तटीय इलाकों में भी बारिश की संभावना है। इसमें सतपारा, पुरी, जगत सिंह, केंद्रपाड़ा, नंदीग्राम और दक्षिण २४ परगना में तूफान के साथ बारिश की संभावना है। इस बारिश के चलते कई राज्यों में सर्दी बढ़ने की संभावना है।

जानकारी उपलब्ध नहीं कराने पर १५० से अधिक ब्लड बैंकों पर लगाया गया जुर्माना

जेकेएस संवाददाता

मुंबई : राज्य रक्त आधान परिषद (एसबीटीसी) और केंद्र सरकार की राष्ट्रीय रक्त आधान परिषद की वेबसाइटों पर कितने रक्तदान शिविर आयोजित किए गए, कितना रक्त एकत्र किया गया आदि का विवरण भरना अनिवार्य कर दिया गया है। हालांकि, इस दायित्व का पालन नहीं करने पर १५० से अधिक ब्लड बैंकों पर १३ लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। मुंबई महानगरपालिका के अधिकार क्षेत्र में आने वाले कूपर अस्पताल के ब्लड सेंटर पर सबसे ज्यादा

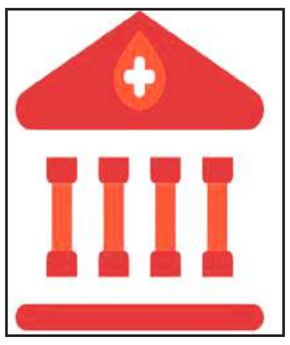

जुर्माना लगाया गया है। इस जुर्माने की रकम ७० हजार से ज्यादा है। यह केंद्र एक समर्पित बहुउद्देश्यीय धर्मार्थ विकास संस्थान द्वारा चलाया जाता है। चूंकि दिवाली के कारण पिछले सप्ताह कई लोग छुट्टी पर थे, इसलिए रक्तदान करनेवालों की काफी कमी हो गई थी। जिसकी वजह से ब्लड बैंक में खून का स्टॉक कम हो गया था। राज्य भर के १५० से अधिक ब्लड बैंकों पर जुर्माना लगाया गया। बता दें कि राज्य में ३७६ ब्लड बैंक हैं, जिनमें से ७६ ब्लड बैंक सरकार और नगरपालिका सरकारों के साथ–साथ केंद्र सरकार द्वारा भी चलाए जाते हैं। वर्ष २०२० में निर्णय लिया गया कि ब्लड बैंकों द्वारा वेबसाइटों पर जानकारी उपलब्ध नहीं कराने पर प्रतिदिन १,००० रुपए का जुर्माना लगाया जाएगा। जिसके बाद दिसंबर, २०२२ से लेकर अप्रैल २०२३ तक की अवधि के लिए वेबसाइट पर जानकारी जमा नहीं करने वाले ब्लड बैंकों पर जुर्माना लगाया गया है।

भाईंदर में जमा कचरे में लगी आग

भायंदर : भायंदर पूर्व के गोडदेव नाका पर स्थित एक खाली पडे.भूखंड में जमा कचरे की ढेर में शनिवार की रात को आग लग गई थी। हालांकि आग को फैलने से रोकने में अग्निशमन दल के कर्मचारी सफल रहे और कोई बडा हादसा नहीं हुआ, लेकिन यहां आग लगने से मनपा के स्वच्छता मुहिम की पोल जरूर खुल गई है। मीरा –भायंदर मनपा आयुक्त –प्रशासक संजय श्रीपतराव काटकर के मार्गदर्शन में बडे.जोर शोर से स्वच्छता मुहिम की शुरुआत की गई थी। खुद आयुक्त ने भी यह माना था कि खुले पडे. भूखंडों पर सर्वाधिक कचरे के ढेर लगे हैं। उसके साफ सफाई पर भी उन्होंने जोर दिया था, लेकिन शनिवार को गोडदेव नाका के पास की भूखंड पर भंगार की दुकान के नाम जमा किए गए कचरे के ढेर में लगी आग ने सफाई की पोल खोल दी है। बता दें कि भायंदर पूर्व में गोडदेव नाका के पास एक विवादित भूखंड है। बताया जा रहा है कि इस भूखंड के मालिकाना हक का विवाद चल रहा है। कई लोगों ने भूखंड के अलग –अलग हिस्से पर कब्जा जमा रखा है। जहां केमिकल युक्त प्लास्टिक के बडे.बडे.ड्रम, थैली, और अन्य अनुपयोगी कचरा जमा करके रखा है। इस भूखंड के एक तरफ मंतोरा और पद्मजा अस्पताल स्थित है तो दो तरफ से रिहायशी इमारत हैं। इन इमारतों में रहने वाले लोग इस गंदगी और उससे निकलने वाली बदबू से परेशान हैं। मलेरिया ,डेंगू जैसी बीमारियां फैलने की आशंका व्यक्त की जा रही, लेकिन स्वच्छता मुहिम की नजर यहां नहीं पडी, इस पर स्थानीय नागरिकों द्वारा आश्चर्य व्यक्त की जा रही।

शांती नगर की अशांती भंग होने की संभावना

पृष्ठ १ का शेष

इसी बीच पूर्व विधायक नरेंद्र मेहता भी वहां पहुंचे और जब तक मनपा द्वारा हॉकर्स जोन और नो –हॉकर्स जोन निर्धारित नही किया जाता। तब तक दुकानों के आगे फेरी लगाने देने और जोन निर्धारित होने के बाद हॉकर्स जोन में ही फेरीवालों को बैठाए जाने का सुझाव दिया। जिसे दुकानदारों ने नही माना। इसी बीच विधायक गीता जैन वहां पहुंच गई और फेरीवालों को अब दुबारा दुकानों के आगे नहीं बैठने देने की बात पर अड.गई । साथ ही शांति नगर के दुकानदारों, व्यापारियों के साथ धरना प्रदर्शन पर बैठ गई थी। बाद में भाईदूज तक फेरीवालों को फेरी लगाने देने का निर्णय लिया गया। बता दें कि २२ अक्तूबर को इसी परिसर में एक दुकानदार के साथ २० से २५ फेरवालों ने मिलकर हाथापाई और मारामारी की थी। इस प्रकरण में दुकानदार गंगासिंह गुमानसिंह राजपुरोहित (६०) की शिकायत पर नया नगर पुलिस थाने में फेरी का धंधा करने वाले अजहर हैदर शेख, शोएब अल्ताफ शेख, अन्नन मोहम्मद सुतार और २ अज्ञात लोगों के खिलाफ भादवि की धारा ३२३,५०४,५०६,१४३,१४७ और १४९ के तहत एफआईआर दर्ज किया गया था।

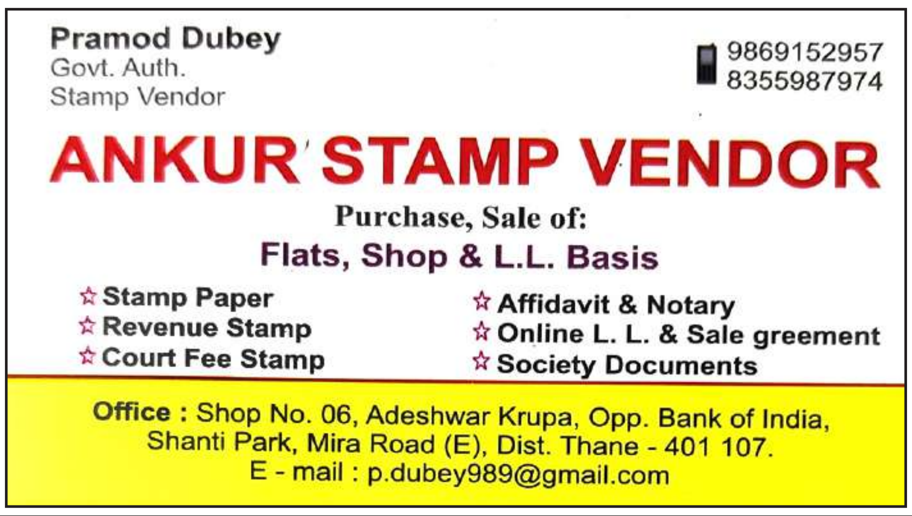

नियुक्तियों को रद्द नहीं किया गया, चर्चा के बाद निर्णय लेने का निर्देश

पृष्ठ १ का शेष

जिलाध्यक्ष नियुक्त किया गया था। उनके जिलाध्यक्ष पद पर नियुक्ति से पूर्व बीजेपी में वे हाशिये पर चल रहे थे। उनकी नियुक्ति ने बीजेपी में मेहता बनाम व्यास की गुटवाजी को विराम लगाने की उम्मीदें बढाई थीं, लेकिन ऐसा कुछ देखने को नहीं मिला। विश्वस्त सूत्रों की मानें तो शर्मा पूर्व विधायक नरेंद्र मेहता के इशारों पर काम कर रहे हैं। अभी हाल ही में उन्होंने १० मंडल अध्यक्षों की नियुक्ति की थी, जिसमें सभी नरेंद्र मेहता समर्थक माने जा रहे थे। बीजेपी उपाध्यक्ष और मीरा–भाईंदर प्रभारी जयप्रकाश ठाकुर ने बताया कि वे इस संदर्भ में जानकारी हासिल कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वे प्रदेश संगठन से इस बारे में चर्चा करेंगे। किशोर शर्मा की काबिलियत पर प्रश्नचिह्न: गौरतलब है कि किशोर शर्मा अपनी नियुक्ति के दिन से शहर में चर्चा का विषय बने हुए हैं। शहर में कई वरिष्ठ बीजेपी नेताओं ने उनकी नियुक्ति पर सवाल भी उठाए थे । अब उनके द्वारा मंडल अध्यक्षों की नियुक्ति को रद्द किए जाने से उनकी काविलियत पर प्रश्नचिह्न लग गया है।

नियुक्तियों को रद्द नहीं किया गया है, बल्कि प्रदेश संगठन ने चर्चा के बाद निर्णय लेने का निर्देश दिया है। मंडल अध्यक्षों की नियुक्ति का अंतिम निर्णय प्रदेश संगठन से चर्चा लिया जाएगा।

टेंपो ने मारी बाइक को टक्कर: पति के सामने पत्नी ने तोड़ा दम

भिवंडी : मुंबई-नाशिक हाइवे पर तेजगति से जा रहे टेंपो ने बाइक से जा रहे एक दंपत्ति को जोरदार टक्कर मार दी, जिसके कारण महिला ने पति के सामने तडप़-तडप़ कर दम तोड.दिया, जबकि चालक पति गंभीर रूप से घायल हो गया। दुर्घटना के बाद पुलिस ने टेंपो चालक को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार, भिवंडी तालुका के वडवली गांव में रहने वाले पुंडलिक नारायण पाटील अपनी पत्नी शोभा को साथ में बाइक पर बैठाकर अपने रिश्तेदार के यहां शोकसभा में शामिल होने के लिए सुबह लगभग ११:३० बजे वल गांव जा रहे थे। जैसे ही वे दोनों नासिक-ठाणे हाईवे पर पिंपलास फाटा के पास पहुंचे, उसी दरम्यान तेजगति से आ रहे टेंपो ने यातायात नियमों की अनदेखी करते हुए जोरदार टक्कर मार दी, जिसके कारण बाइक चालक पुंडलिक के पैर व हाथ में जहां जोरदार चोट लग गई, वहीं उनकी पत्नी के सिर में चोट लगने से अधिक रक्तस्राव हुआ। इससे शोभा की तडप़-तडप़ पर पति के सामने ही घटनास्थल पर ही मौत हो गई। सडक़ दुर्घटना की सूचना मिलते ही कोनगांव पुलिस घटनास्थल पहुंच गई और शव को पोस्टमार्टम के लिए सरकारी इंदिरा गांधी उपजिला अस्पताल भेजने के साथ ही टेंपो चालक शान अंसारी के खिलाफ अजय पंढरीनाथ पाटील की शिकायत पर कोनगांव पुलिस स्टेशन में आईपीसी की धाराओं व मोटर कायदा के तहत केस दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया है।

शक में हैवान बना पति: पत्नी को दी दर्दनाक मौत

पालघर : जिले में एक शख्स शक में हैवान हो गया और उसने अपनी पत्नी को दर्दनाक मौत दे दी। वरिष्ट पुलिस निरीक्षक संजय ब्रम्हाने ने बताया कि यह घटना रविवार देर रात जव्हार तालुका के खिरोदा गांव में हुई, जिसके बाद आरोपी व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया गया। मिली जानकारी के अनुसार, पालघर जिले में एक आदिवासी व्यक्ति ने चरित्र पर संदेह होने पर पत्नी की कथित रूप से हत्या कर दी। वरिष्ट पुलिस निरीक्षक संजय ब्रम्हाने ने बताया कि व्यक्ति ने अपनी ३२ वर्षीय पत्नी पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। हमले में महिला की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए सरकारी अस्पताल भेजा। पुलिस ने बताया कि आरोपी पर भारतीय दंड संहिता की धारा ३०२ (हत्या) के तहत मामला दर्ज किया गया है।

नींद से जागा प्रशासन: प्रदूषण विरोधी अभियान की आई सुध!

मुंबई : मुंबई में बढ़ते प्रदूषण के चलते मुंबई पुलिस के यातायात विभाग ने भी कड़े कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। इस क्रम में यातायात पुलिस ने पिछले ९ दिनों में वायु प्रदूषण नियमों के उल्लंघन पर ८,४४५ वाहनों पर कार्रवाई की है। संयुक्त पुलिस आयुक्त (यातायात) प्रवीण पडवल ने बताया कि इस विशेष

अभियान के तहत अवैध साइलेंसर बनानेवालों के खिलाफ भी कड़ी कार्रवाई की जाएगी। यातायात पुलिस द्वारा ७ नवंबर से बिना पीयूसी सर्टिफिकेट वाले वाहनों सहित नियम तोड़ने व धूल उड़ानेवाले वाहनों पर भी कार्रवाई की जा रही है। पुराने ट्रांसपोर्ट वाहनों के लिए सीएनजी किट अनिवार्य की गई है, लेकिन कई वाहन चालक इस नियम की खुलेआम धज्जियां उड़ा रहे हैं, ऐसे वाहनों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई करने का भी आदेश दिया गया है। साथ ही, सभी चौकियों को नियमों का उल्लंघन करनेवाले वाहनों पर कार्रवाई के आदेश दिए गए हैं। इस आदेश के बाद यातायात पुलिस ने वायु प्रदूषण नियमों के उल्लंघन पर ८,४४५ वाहनों पर कार्रवाई की है। इसमें बिना पीयूसी वाले ५,८६६ वाहनों पर एवं अवैध साइलेंसर वाले ८४१ वाहनों पर कार्यवाही की गई है, साथ ही पुलिस ने ५८४ अनधिकृत साइलेंसर भी जब्त किए हैं। इसके अलावा माल ढोने वाले १,७३८ वाहनों के खिलाफ कार्रवाई की गई। इस अभियान के दौरान १३ लाख ७५ हजार रुपए का जुर्माना वसूला गया है। अनधिकृत साइलेंसर वायु और ध्वनि प्रदूषण बढ़ाते हैं इसलिए पुलिस ऐसे साइलेंसर बनाने वालों के खिलाफ भी कार्रवाई करेगी।

इंटरनेट की जाल में फंसा महाराष्ट्र! : उपयोग करने में है नंबर वन

जेकेएस संवाददाता

मुंबई : इंटरनेट उपयोग में महाराष्ट्र अग्रणी बन गया है। पॉक्सो एंड बियॉन्ड: अंडरस्टैंडिंग ऑनलाइन सेफ्टी ड्यूरिंग कोविड २०२३ शोध हाल ही में क्राई नामक संस्था ने किया। इस शोध के अनुसार, सभी आयु समूहों के बीच महाराष्ट्र में इंटरनेट का औसत उपयोग सबसे अधिक है। उसके नीचे पश्चिम बंगाल, मध्य प्रदेश और फिर कर्नाटक हैं। १४ से १८ वर्ष के किशोर और किशोरियों में इंटरनेट उपयोग की दर सबसे अधिक है। इसके बाद वयस्क पुरुष यानी १८ वर्ष से ऊपर और फिर ६-१४ वर्ष के बच्चे शामिल हैं।

हालांकि, महाराष्ट्र में ६-१४ वर्ष के बच्चों में इंटरनेट का औसत उपयोग अधिक है। क्राई वेस्ट के क्षेत्रीय निदेशक क्रिऑन रबाडी ने कहा कि प्रौद्योगिकी बच्चों के जीवन का अभिन्न अंग बनती जा रही है। ऐसे में बच्चे जब ऑनलाइन हों तो उन्हें हानिकारक या अनुचित सामग्री से बचाया जाना चाहिए। क्राई कई वर्षों से बाल संरक्षण के क्षेत्र में काम कर रही है और हमने साइबर सुरक्षा पर ध्यान केंद्रित किया है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में हम कक्षा ५वीं से ९वीं तक के छात्रों के बीच आभासी साइबर दुनिया में जागरूकता पैदा करते हुए जानकारी के सुरक्षित और जिम्मेदार उपयोग को प्रोत्साहित करने के लिए काम कर रहे हैं। बाल अधिकार संस्था क्राई ने स्कूली छात्रों को फोन के पासवर्ड वैंसे सुरक्षित रखें, स्मार्ट फोन की सुरक्षा, सोशल मीडिया खातों पर निजी जानकारी साझा करते समय सावधानी बरतने, अपने खातों की गोपनीयता सेटिंग्स के उपयोग की जानकारी, सायबर उत्पीड़न के शिकार होने पर व्यवस्थित रिपोर्ट करने आदि के बारे में जानकारी देने के लिए एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में अब तक बीस हजार से अधिक विद्यार्थी भाग ले चुके हैं। अभियान जनवरी २०२४ में समाप्त होगा। इस कार्यशाला में शामिल लड़के और लड़कियों ने कहा कि उन्हें ऑनलाइन, खासकर स्नैपचैट ऐप पर अज्ञात व्यक्तियों से सायबर उत्पीड़न और दोस्ती के अनुरोधों का सामना करना पड़ा है। कार्यशाला में यह भी पता चला कि स्नैपचैट ऐप इंस्टाग्राम या फेसबुक से अधिक लोकप्रिय है।

मनपा के प्रदूषण रोकने के दिशा-निर्देश से रियल इस्टेट पर पड़ सकता है असर!

जेकेएस संवाददाता

मुंबई : मुंबई में बढ़ते वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए अगर शहर के भीतर भारी वाहनों का आवागमन रोक दिया जाता है तो आपूर्ति में कुछ समस्याएं पैदा हो सकती हैं, ऐसा अंदाजा लगाया जा रहा है। साथ ही रियल इस्टेट पर भी असर पड़ सकता है। दरअसल, कई बार भारी वाहनों के कारण शहर में जाम की स्थिति पैदा होती है। इसके अलावा भारी वाहन अधिकतर डीजल से चलने वाले होते हैं, जिनसे प्रदूषण ज्यादा होता है। देश की आर्थिक राजधानी में हवा की गुणवत्ता खराब होने के बाद मुंबई के नागरिक निकाय, मुंबई मनपा ने अक्टूबर में प्रदूषण विरोधी दिशा-निर्देश जारी किए। इसके अतिरिक्त, मनपा ने कंस्ट्रक्शन और डिमोलेशन की गतिविधियों के दौरान प्रदूषण के लिए जिम्मेदार लोगों को दंडित करने के लिए एक अभियान शुरू किया गया था। मनपा ने ५ नवंबर को कहा कि तीन दिनों में ३ से ५ नवंबर तक कुल ४.७१ लाख रुपए जुर्माना वसूला गया है। कई डेवलपर्स ने कहा कि यह काफी हद तक मनपा दिशा-निर्देशों के अनुरूप है। एक डेवलपर ने बताया कि हम काफी हद तक मनपा के दिशा-निर्देशों का पालन कर रहे हैं, लेकिन अगर प्रदूषण से संबंधित मुद्दों को नियंत्रित करने के

लिए शहर के भीतर भारी वाहनों के परिवहन को रोका जाता है तो आपूर्ति श्रृंखला के कुछ मुद्दे सामने आने की संभावना है। जैसे कंस्ट्रक्शन सप्लाई के लिए अधिकतर हैवी व्हीकल का इस्तेमाल किया जाता है। ऐसे में अगर इन पर प्रतिबंध लगता है तो कंस्ट्रक्शन के कामों में देरी होगी। मुंबई की हवा को साफ रखने के लिए कंस्ट्रक्शन साइट को दिशा-निर्देशों का पालन न करने के लिए मुंबई मनपा की समय सीमा के एक सप्ताह बाद २९६ साइट को नियम का पालन करने में विफल रहने के लिए स्टॉप वर्क का नोटिस भेजा गया है। अधिकारी ने कहा कि सबसे अधिक संख्या में नोटिस १३५ के ईस्ट वॉर्ड द्वारा जारी किए गए हैं, जिसमें जोगेश्वरी-पूर्व, अंधेरी-पूर्व और विले पार्ले-पूर्व जैसे क्षेत्रों में दिशा-निर्देशों का उल्लंघन करने वाली साइटों को शामिल किया गया है। इनमें सबसे ज्यादा कई पुनर्विकास परियोजनाएं और जोगेश्वरी में एसआरए परियोजनाएं चल रही हैं, उन्हें शामिल किया गया है।

बेटी से दुष्कर्म करने वाले पिता के खिलाफ पत्नी ने करवाई शिकायत दर्ज: आरोपी को ढूंढ़ रही है पुलिस

वसई : पिता द्वारा अपनी २२ वर्षीय बेटी का शारीरिक शोषण करने की चौंकाने वाली घटना सामने आई है। आरोपी पिता बेटी को घर में रखता था और उसके साथ मारपीट और दुष्कर्म करता रहता। क्षयरोग बीमारी से ग्रसित होने के बाद भी लडक़ी के साथ दुष्कर्म करता रहा। पीडित़ा की मौत के बाद उसकी मां ने पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। पीडित़ा नालासोपारा पश्चिम में रहती थी। वह पिछले ३ माह से क्षयरोग से पीडित़ थी। उसे ११ नवंबर को मुंबई के जेजे अस्पताल की गहन चिकित्सा इकाई में भर्ती कराया गया था, लेकिन इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पीडित़ा की मां ने नालासोपारा पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है कि पीडित़ा के ५४ वर्षीय पिता ने उसके साथ बलात्कार किया और उसे शारीरिक रूप से प्रताडित़ किया। पीडित़ा के साथ उसका पिता लगातार दुष्कर्म

करता रहा। धमकी दे रखा था कि इस तरह की बात किसी को बताई तो जान से मार दूंगा। इसलिए पीडित़ा और उसकी मां डर के कारण चुप रहती थी। आरोपी पिता लड़की को हर समय मारता-पीटता था। पिता के द्वारा दुष्कर्म करने की वजह से लडक़ी गर्भवती हो गई और पिता ने उसका जबरन गर्भपात करा दिया था। इस बीच बेटी की मौत के बाद मां ने हिम्मत करके पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने उसकी मां की शिकायत पर आरोपी पिता के खिलाफ धारा ३७६ (एन), ३५४ (अ) के साथ ही ३४२, ३२२, ३२३, ५०४, ५०६, ३४ के तहत मामला दर्ज किया है। पीडित़ा की मां ने आरोप लगाया है कि लडक़ी की मौत उसके पिता की पिटाई और शारीरिक शोषण के कारण हुई है, जबकि अस्पताल से जानकारी मिली है कि प्रथम दृष्ठया पीडित़ा की मौत क्षयरोग (टीबी) के कारण हुई है। मां की शिकायत के आधार पर पुलिस ने आरोपी पिता पर पीडित़ के साथ दुष्कर्म, छेडछ़ाड, गर्भपात कराने, जबरन अपने पास रखने समेत कई धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। आरोपी को जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा इस तरह की जानकारी नालासोपारा पुलिस स्टेशन के सहायक पुलिस निरीक्षक कदम ने दी।

ऑटोरिक्शा पकडऩे के लिए खडी वृद्ध महिला के साथ स्नैचिंग: २५ ग्राम सोने की चेन छीनकर फरार हुए बाइकर्स

भिवंडी : भिवंडी में चेन स्नैचिंग की घटना थमने का नाम नहीं ले रही है। भाईदूज के दिन मंदिर जाने के लिए ऑटोरिक्शा का इंतजार कर रही एक ७५ वर्षीय वृद्ध महिला के गले से बाइक से आए दो स्नैचरों ने २५ ग्राम सोने की चेन छीनकर फरार हो गए। महिला की शिकायत पर पुलिस ने दो अज्ञात बाइकर्स पर केस दर्ज कर उनकी सरगर्मी से तलाश शुरू कर दिया है। पुलिस के अनुसार, भिवंडी के तेलीपाडा इलाके के ब्लू आई बिल्डिंग में रहने वाली प्रभा चंद्रकांत आमरे

(७५) नामक वृद्ध महिला १४ नवंबर को सुबह सात बजे स्थानीय भोईवाडा इलाके में स्थित मुरलीधर मंदिर जाने के लिए पुराना मुंबई आगरा रोड स्थित धामनकर नाका उड़ान पुल के पास शिवम दाबेली की दुकान के पास खडी होकर ऑटोरिक्शा का इंतजार कर रही थी, इसी बीच भारत बाइक पर सवार २८ से ३० वर्ष के दोनों युवक आए और वृद्ध महिला के गले से १ लाख ८० हजार रुपए कीमत के २५ ग्राम वजन का सोने का गंठन छीनकर कल्याणनाका की ओर फरार हो गए। पीड़िता वृद्ध महिला की शिकायत के आधार पर भिवंडी शहर पुलिस स्टेशन में अज्ञात चोर के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस सोने की चेन छीनकर भागने वाले बाइक सवार युवाओं की सरगर्मी से तलाश कर रही है। सूत्र बताते हैं कि चेन स्नैचरों का इन दिनों पदमनगर इलाके में आतंक मचा हुआ है। कुछ दिनों में आस-पास के इलाके में इस प्रकार की कई वारदातें घट चुकी हैं।

लोन और लिमिट के जाल में उलझ रहे मुंबईकर! हर दिन ३ से ४ लोग हो रहे क्रेडिट कार्ड फ्रॉड के शिकार

मुंबई: जेब में पैसे भले ही न हों, लेकिन आपके डेबिट और क्रेडिट कार्ड में भरपूर पैसे यानी डिजिटल मनी होती है। साइबर अपराधी इसी डिजिटल मनी को टारगेट कर लोगों को शिकार बनाते हैं। मुंबई में औसतन ३ से ४ लोग हर दिन क्रेडिट कार्ड और डेबिट कार्ड के जरिए होने वाले फ्रॉड का शिकार बनते हैं। साइबर क्राइम की दुनिया में इसे कार्ड स्कैम कहा जाता है, जिसके जाल में मुंबईकर उलझ रहे हैं। मुंबई पुलिस के अनुसार, पिछले ९ महीने में क्रेडिट कार्ड से संबंधित ८८७ केस दर्ज हुए हैं, जबकि ओवरऑल ३३०९ मामले साइबर क्राइम के दर्ज हो चुके हैं। प्रति माह ९९ मामले सिर्फ क्रेडिट कार्ड के हैं। साइबर एक्सपर्ट रितेश भाटिया कहते हैं कि मुंबई पुलिस का यह डाटा एकतरफा है। इससे

कहीं अधिक साइबर क्राइम के मामले घट रहे हैं, लेकिन पुलिस अपने हिसाब से डाटा जारी कर साइबर क्राइम के मामले को कम दिखाने का प्रयास करती है। औसतन ३ से ४ लोग रोजाना कार्ड फ्रॉड का शिकार बन रहे हैं। अब तक ७६ केस ही हल हुए हैं, जबकि ८११ केस लंबित हैं।

इसलिए होते हैं कार्ड फ्रॉड

(१) फॉर्म भरवाने के बहाने:

लोग जब किसी चीज की जानकारी या मदद के लिए गूगल सर्च करते हैं, तो अक्सर हैकर्स के झांसे में आ जाते हैं। हैकर्स ऐसे लोगों से पहले बात करते हैं, फिर एक फॉर्म भरवाते हैं। इस दौरान क्रेडिट या डेबिट कार्ड का नंबर, सीवीवी, आधार नंबर, यूपीआई नंबर भरवाते हैं। इससे हैकर्स आपके कार्ड का एक्सेस पा लेते हैं और आपके साथ फ्रॉड हो जाता है।

(२) रिमोट एक्सेस ऐप:

हैकर्स ३बिजली बिल बकाया है या फिर ३आधार कार्ड का केवाईसी अपडेट नहीं हुआ है जैसे संदेश भेज कर शिकार बनाते हैं। मोबाइल पर संदिग्ध लिंक भेजते हैं, जिसमें क्विक सपोर्ट और एनी डेस्क नाम का ऐप होता है। इसे डाउनलोड कर ९ अंकों का कोड प्राप्त कर लेते हैं। इसके बाद हैकर्स के पास आपके मोबाइल का एक्सेस मिल जाता है। वे जीपे, फोनपे, भारत पे और ऑनलाइन भुगतान के दौरान ओटीपी, सीवीवी, कार्ड का एक्स्पाइरी डेट, बैलेंस, नाम आदि हासिल कर आपके ही क्रेडिट कार्ड से पैसे निकाल लेते हैं। यहां तक की वे कार्ड से लोन भी ले लेते हैं।

आजमाएं ४ सेफ्टी टिप्स

-कार्ड से लेनदेन करते समय सावधानी बरतें।

-क्रेडिट कार्ड गुम या चोरी होते ही बैंक को सूचित करें।

-डेबिट या क्रेडिट कार्ड को अविलंब ब्लॉक करवा दें।

-ऑनलाइन एफआईआर या शिकायत करते समय रेफरेंस नंबर या स्क्रीनशॉट लेना नहीं भूलें।

लोकल के यात्रियों को जानलेवा भीड़ से मिलेगी मुक्ति! सेंट्रल रेलवे ने उठाया बड़ा कदम

मुंबई : सेंट्रल रेलवे ने लोकल ट्रेनों में भीड़ कम करने के लिए अपने कर्मचारियों के काम के घंटों में बदलाव किया था। इसके बाद इसे और अधिक व्यापक बनाने के प्रयास शुरू कर दिए गए हैं। पिछले १६ दिनों में रेलवे ने मुंबई के सरकारी, अर्धसरकारी कार्यालयों समेत ३५० संगठनों से पत्र व्यवहार कर कार्यालय के समय को बदलने का अनुरोध किया है। सेंट्रल रेलवे लाइन पर हर दिन करीब ३५ से ४० लाख यात्री यात्रा करते हैं। पीक

आवर्स के दौरान हर तीन से चार मिनट में एक लोकल ट्रेन चलती है। लेकिन बढ़ती भीड़ के कारण लोकल सेवा पर हमेशा दबाव बना रहता ह। सेंट्रल रेलवे ने अपने कर्मचारियों को दो शिफ्ट में बांट दिया है। इसी को लेकर मध्य रेलवे ने अन्य संगठनों से भी अनुरोध किया है कि वे भी उनका अनुसरण करें और कार्यालय के समय में बदलाव करें। इसके लिए १ नवंबर से अस्पतालों, नगर पालिकाओं, पुलिस प्रशासन, जन प्रतिनिधियों, मीडिया, निजी संगठनों, बैंकों से कार्यालय समय में बदलाव करने का अनुरोध किया गया है। मध्य रेलवे के अधिकारियों ने विश्वास व्यक्त किया कि यदि इस पत्राचार को सकारात्मक प्रतिक्रिया मिलती है, तो भीड़ को उचित रूप से प्रबंधित किया जाएगा। अगर सेंट्रल रेलवे का यह प्रयोग सफल रहा तो मुंबईकरों का सफर थोड़ा और आरामदायक और आसान हो जाएगा। भीड़ कम होने और लोकल राउंड बढ़ने से प्राइवेट कर्मचारियों के लिए समय पर ऑफिस पहुंचना संभव हो सकेगा। मध्य रेलवे द्वारा कार्य समय में बदलाव के बाद यात्रियों ने इस पैंसले का स्वागत किया। इसी तरह यह देखना भी अहम होगा कि सेंट्रल रेलवे की चिट्ठी पर क्या जवाब मिलता है?

पुलिस की कार्यकुशलता से यात्री को मिला सामान

जेकेएस संवाददाता

मीरारोड : पुलिस की मुताबिक सुबह करीब ७.३० बजे मीरा-भाईदर शहर के भाईदर पश्चिम रेलवे स्टेशन पर गुजरात में रहने वाले श्री. हर्ष अजीत शाह उम्र ३१ वर्ष निवासी, कमरा नंबर ०३, औकार सोसायटी, राखियाल स्टेशन, तहसील-देहगाम, जिला। गांधीनगर राज्य गुजरात से ट्रेन से बोरीवली उतरे थे। इसके बाद वह करीब ८.०० बजे बोरीवली स्टेशन से भाईदर पश्चिम रेलवे स्टेशन पर लोकल ट्रेन से उतरे. फिर लगभग ८.१० बजे भाईदर पश्चिम रिक्शा स्टैंड से एक रिक्शा पर सवार होकर ६० फीट रोड, भाईदार पश्चिम स्थित रिश्तेदारों के पास गया। उस समय उसे एहसास हुआ कि उसका बैग रिक्शे में ही रह गया और उस बैग में उसकी दो तोला सोने की चेन, एक तोला सोने की अंगूठी, सैमसंग कंपनी का एम५१ मोबाइल फोन था। इसके बाद वह तुरंत भाईंदर पुलिस स्टेशन गया और संपत्ति गायब होने की रिपोर्ट दी। ००२५/२०२३ ने खोई हुई संपत्ति के संबंध में १०/११/२०२३ को शिकायत दर्ज की। उस घटना के संबंध में, श्री हर्ष अजीत शाह ने पोहवा/०७१३१ नरसिंह लक्ष्मण चव्हाण को सूचित किया, जो काशीमीर परिवहन विभाग में भाईंदर रेलवे स्टेशन पर यातायात डयुटी पर ड्यूटी पर थे, पोहवा/०७१३१ चव्हाण ने तुरंत प्रभारी अधिकारी पो. निरीक्षक को सूचित किया। देवीदास हंडोरे को दिया गया तथा उनके मार्गदर्शन एवं निर्देशानुसार यात्री द्वारा रिक्शा चालक के बताए अनुसार उस रिक्शा चालक की तलाश की गई। यात्री का नाम श्री. हर्ष शाह से रिक्शा में छूटे बैग के बारे में पूछा गया तो उस रिक्शा क्रमांक एमएच ०४ एफसी ७६२२ के चालक का नाम महेश कुमार चंदूलाल कछिया बताया गया। भाईंदर पश्चिम तुरंत पोहवा/चव्हाण आये और उस बैग के बारे में सूचित किया। यात्री के सामान के बारे में पता करने पर वह उसका निकला। उस बैग में लगभग १,००,०००/- दो तोला सोने की चेन थी। एक तोला सोने की अंगूठी- लगभग ५०,०००/- रुपये कीमत , सैमसंग कंपनी का एम५१ मोबाइल फोन कीमत १५,०००/- रूपये कुल कीमत १,६५,०००/- रूपये श्रीमान के पास से बरामद हुआ। श्रीमान का प्रदर्शन प्रकाश गायकवाड, पुलिस उपायुक्त (मुख्यालय), श्री. पोहवालदार / ०७१३१ नरसिंह लक्ष्मण चव्हाण, सहायक पुलिस आयुक्त, यातायात विलास सानप और काशीमीरा यातायात विभाग के प्रभारी अधिकारी, पो निरीक्षक देवीदास हंडोरे के मार्गदर्शन में उनका सामाना लौटाया है.

कैंसर अस्पताल का उद्घाटन हुआ पर निर्माण नहीं हुआ

जेकेएस संवाददाता

भायंदर. डहाणू से बोरीवली तक के करीब १० लाख की आबादी के बीच एक भी सरकारी कैंसर अस्पताल नहीं है. वहीं मीरा रोड में प्रस्तावित कैंसर अस्पताल के भूमि पूजन को ८ माह बीत जाने के बाद भी अभी तक प्रत्यक्ष में अस्पताल निर्माण का कार्य शुरू नहीं हुआ है. निधि के अभाव में इस प्रस्तावित अस्पताल का निर्माण कार्य के बंद होने की बात सामने आई है. राज्य सरकार से निधि प्राप्ति के लिया मीरा-भायंदर मनपा प्रयासरत है. अस्पताल के निर्माण में विलंब से जिससे कैंसर पीडितों में निराशा देखी जा रही है. मुंबई में टाटा, कोकिलाबेन अंबानी, ग्लोबल, रिलायंस, एचसीजी, नवी मुंबई में खारघर, कल्याण

आदि क्षेत्रों में कैंसर अस्पताल उपलब्ध हैं, लेकिन मीरा- भायंदर, वसई - विरार, पालघर, डहाणू के कैंसर पीडितों को मुंबई के अस्पतालों पर निर्भर रहना पडता है. इस पर ध्यान देते हुए मीरा भायंदर शहर में राज्य सरकार के सहयोग से कैंसर अस्पताल बनाने का निर्णय लिया गया था. इसके लिए मनपा ने मीरा रोड के साईबाबा नगर में आरक्षण क्रमांक २१० और २११ के भूखंड पर कैंसर अस्पताल बनाने का प्रस्ताव राज्य सरकार के पास भेजा था, जिस पर राज्य सरकार ने सकारात्मक रुख दिखाते हुए अस्पताल निर्माण के लिए प्रथम चरण में १० करोड. रुपए की निधि मंजूर की थी. २२ अप्रैल २०२३ को प्रस्तावित अस्पताल का भूमिपूजन उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के हाथों संपन्न हुआ था. इस अस्पताल के निर्माण पर करीब १३४ करोड.रुपए का खर्च अनुमानित है, जिसे राज्य सरकार प्रदान करेगी. ऐसी घोषणा फडणवीस ने की थी. हाल ही में मनपा आयुक्त संजय श्रीपतराव काटकर ने राज्य सरकार के स्वास्थ्य विभाग के अतिरिक्त सचिव को पत्र लिख कर निधि की मांग की है मीरा रोड में प्रस्तावित कैंसर अस्पताल में कैंसर के इलाज के अलावा कीमोथेरेपी, रेडियेशन की सुविधा हेतु अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी से सुसज्ज यंत्र सामग्री उपलब्ध कराई जाएगी. महात्मापुले जन आरोग्य योजना अंतर्गत मुफ्त कीमोथेरेपी और रेडियेशन की जायेगी, जिससे मीरा-भायंदर सहित, पालघर, ठाणे के कैंसर पीडितों को काफी राहत मिलेगी. मीरा रोड में प्रस्तावित कैंसर अस्पताल की नितांत आवश्यकता है, इसके निर्माण के लिए राज्य सरकार से निधि की मांग की गई है. उपमुख्यमंत्री ने आगामी अधिवेशन में इस अस्पताल के लिए लगने वाली निधि के प्रावधान किए जाने का आश्वासन विधायक गीता जैन ने दिया है.

मनोज तिवारी के आगमन से उमडा जनसैलाब, गीत संगीत का कार्यक्रम संपन्न

जेकेएस संवाददाता

भायंदर : मीरा भायंदर शहर १४५ विधानसभा चुनाव प्रमुख एडवोकेट रवि व्यास द्वारा दीपावली और छठ पूजा के मौके पर आयोजित भव्य स्नेह सम्मेलन का कार्यक्रम भायंदर पश्चिम के बालाजी (पपैया) ग्राउंड मे संपन्न हुआ. इस सांस्कृतिक और रंगारंग आयोजन मे विशेष रूप से उपस्थित भोजपुरी सुपरस्टार लोकगायक भाजपा सांसद मनोज तिवारी ने अपने गीत संगीत की सुंदर प्रस्तुति के जरिये जोरदार समां बांधा. कार्यक्रम मे बड़ी संख्या मे उत्तरभारतीय समाज के साथ ही सभी वर्ग और समाज के लोगों ने बड़ी संख्या मे सहभाग किया. लोकगीत,छठगीत और

भोजपुरी, अवधी गीतों पर मनोज तिवारी की शानदार बेमिसाल परफॉरमेंस पर सभी श्रोता मंत्रमुग्ध होकर नाचते और थिरकते नज़र आये.कार्यक्रम मे भाजपा नेता राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पूर्व सांसद, ठाणे लोकसभा चुनाव प्रमुख विनय सहस्त्रबुधे,भाजपा उत्तरभारतीय मोर्चा महाराष्ट्र अध्यक्ष संजय पांडेय, कोकण प्रान्त भाजपा प्रभारी हेमंत सचर्ीमीरा भायंदर शहर भाजपा प्रभारी जयप्रकाश ठाकुर,कोकण प्रान्त प्रभारी हेमंत म्हात्रे ,विधायक गीता जैन जी सहित पार्टी के कई बड़े पदाधिकारियों की उपस्थिति रही. आयोजक विधानसभा चुनाव प्रमुख (१४५) मीरा भायंदर शहर ने उपस्थित सभी प्रमुख गणमान्य लोगों का स्वागत और सत्कार करते हुए भारी संख्या मे उपस्थित सभी लोगों को दीपावली और छठ पूजा की शुभकामना प्रेषित की.

यातायात पुलिस पर उठे आरोप, टोइंग मशीन करती है भेदभाव

जेकेएस संवाददाता

भायंदर। मीरा भायंदर में वाहनों की टोइंग कानून नहीं,बल्कि पुलिस की मर्जी के मुताबिक होती है।यही वजह है कि शॉपिंग मॉल,बडे.शोरूम,होटल,बारजी-लॉज आदि के बाहर से गाडी नहीं उठाई जाती है।जबकि आम चालकों की गाडी पलक झपकते ही गायब हो जाती है। मीरा भायंदर में वाहनों की अवैध पार्किग और उससे होने वाला ट्रैफिक जाम बडी समस्या है।इससे निपटने के लिए पिछले दिनों नई पार्किग नीति लागू की गई।नागरिकों का आरोप है कि सडक़ किनारे और फुटपाथ पर सेकंड हैंड गाडिय़ों व फर्नीचर का शोरूम तथा गैरेज बेरोकटोक चल रहे हैं।शॉपिंग मॉल,होटल, बार,लॉज के बाहर से गाडिय़ां उठाई नहीं जाती है।जबकि उसके बगल में ही आम आदमी की पार्क गाडी पलक झपकते ही उठा ली जाती है।लोगों का कहना है कि शहर में सिर्फ दो पहिया गाडिय़ों की टोइंग होती है।चार पहिया वाहनों को हाथ नहीं लगाया जाता है।जबकि सडक़ पर सबसे ज्यादा जगह चार पहिया गाडी घेरती हैं,और ये ट्रैफिक जाम के सबसे बडे.कारण हैं।पिछले दिनों एक पत्रकार परिषद में पुलिस उपायुक्त(प्रकाश गायकवाड)ने मजबूरी जताई थी।कहा था कि उनके पास चार पहिया गाडिय़ां उठाने के लिए टोइंग वैन नहीं हैं।हालांकि चार पहिया गाडिय़ों को फाइन जरूर मारी जाती है।

दिव्यांगों को रोजगार दिलाने की उठी मांग

ठाणे : सामाजिक न्याय और अधिकारिता राज्य मंत्री रामदास आठवले ने मीरा-भाईंदर महानगरपालिका आयुक्त को दिव्यांगों की आजीविका के लिए महानगरपालिका क्षेत्र में व्यावसायिक स्टॉल उपलब्ध कराने हेतु पत्र देकर तत्काल कार्यवाही करने को कहा है। क्योंकि फिलहाल दिव्यांगों की पारिवारिक और आर्थिक स्थिति खराब होने के कारण उन्हें कोई नौकरी नहीं दे रहा है। इस बारे में सामाजिक संस्था 'भावना फाउंडेशन की ओर से कई बार अनुरोध करने के बाद भी मनपा ने इस पर ध्यान नहीं दिया। दिव्यांगो के प्रति सहानुभूति और उनकी सहायता करना सच्ची समाज सेवा है, ऐसा कहना सामाजिक संस्था 'भावना फाउंडेशन की अध्यक्ष भावना मनीष तिवाडी का है। मनपा आयुक्त को इस पर गंभीरता से ध्यान देने की आवश्यकता है। तांकि दिव्यांगों को आत्मनिर्भर बनाने और आजीविका करने में काफी मदद मिल सकेगी।

अदाणी की बिजली चुरानेवालों पर होगी सख्त कारवाई

जेकेएस संवाददाता

भायंदर : अदाणी इलेक्ट्रिसिटी ने मीरा-भायंदर में बिजली चोरी करने वालों की एक अनोखी तकनीक पकडी है। बिजली चोरी करने वालों ने मीटरों की गति को ७०% से ७५% तक धीमा कर १ लाख ७० हजार यूनिट बिजली चोरी की थी। जिससे अदाणी इलेक्ट्रिसिटी को करीब २९ लाख ६० हजार रुपए का नुकसान हुआ। इस प्रकरण में ६ माह में अप्रैल से अक्टूबर २०२३ तक ४३ बिजली चोरी करने वालों के खिलाफ नयानगर, काशीमीरा,नवघर और भायंदर पुलिस थाने में एफआईआर दर्ज कराई गई हैं कंपनी के एक अधिकारी ने बताया कि विशेष जांच के दौरान उन्होंने पाया कि मीटरों के साथ छेडछाड. कर उसकी वास्तविक गति से ७०% तक धीमा कर दिया गया था। आमतौर पर ट्रांसमिशन और वितरण घाटा लगभग ५% होता है, लेकिन पिछले कुछ महीनों में कुछ विसंगतियाँ दिखाई दे रही थी। इसलिए जहां भी ऐसे मामले मिले वहां कार्रवाई शुरू करने का फैसला किया गया। कंपनी ने बताया है कि बिजली चोरी के बडे.मामलों में द्वारकानाथ यशवंत राउत के खिलाफ ३,८२,६९१ रुपए मूल्य की १९,२५० यूनिट बिजली चुराने की शिकायत भायंदर पुलिस थाने में एक दर्ज की गई है। इसके अलावा गणेश गोपाल शेट्टी और देवेंद्र पाटिल पर २,८६,०४९ रुपए मूल्य की १४,१२७ यूनिट बिजली चुराने और प्रकाश म्हात्रे के खिलाफ २,५४,७७२ रुपए मूल्य की १०,७९६ यूनिट बिजली चुराने का मामला दर्ज किया गया है। अदाणी इलेक्ट्रि सिटी की सतर्कता और प्रवर्तन टीमें बिजली चोरी करने वालों को पकड़ने और बिजली की चोरी में इस्तेमाल किये गए अनधिकृत तारों जैसे उपकरण जब्त करने के लिए पुलिस अधिकारियों की सहायता से नियमित रूप से कारवाई कर रही है। बिजली की चोरी से नेटवर्क पर अतिरिक्त भार पड़ताहै।इससे सेवा की लागत बढ़त है और केबल एवं ट्रांसफॉर्मर्स के खराब होने का ख़तरा बढ़ जाता है, जिसके कारण मरम्मत और रख-रखाव का खर्च भी बढ़ता है। बिजली चोरी करना विद्युत अधिनियम २००३ की धारा १३५ के तहत एक गैर-जमानती अपराध है, जहां दोषी साबित होने पर अपराधी को जुर्माना, तीन साल तक की जेल या दोनों से दंडित किया जा सकता है। मीरा-भायंदर में बिजली चोरी के मामलों के बारे में बताते हुए अदाणी इलेक्ट्रिसिटी के एक प्रवक्ता ने कहा कि बिजली चोरी ईमानदार उपभोक्ताओं पर टैरिफ का बोझ बढाता ।इन गैरकानूनी गतिविधियों पर नकेल कस कर कंपनी अपने ईमानदार उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा करती है। शहर के कुछ हिस्से ऐसे हैं जहां बिजली चोरी का खतरा बडे.पैमाने पर है।

ठाणे में बढ़ा डेंगू-मलेरिया का प्रकोप

ठाणे में अगस्त से नवंबर के अंत तक डेंगू और मलेरिया के मामलों की संख्या बढ़ती जा रही है। जनवरी से १६ नवंबर तक डेंगू के १,०८९ संदिग्ध और २७५ संक्रमित मामले मिले हैं। अब तक तीन की मौत हो चुकी है। इसी दौरान मलेरिया के १,२६३ मामले भी सामने आए हैं। कोई मौत दर्ज नहीं की गई है। १६ नवंबर तक ९ मरीज मिल चुके हैं। मलेरिया के ५१ मरीज सामने आए हैं। बता दें कि १ जनवरी से १६ नवंबर तक ठाणे मनपा की सीमा में मलेरिया के कुल १,२६३ एवं डेंगू के २७५ मामले सामने आए हैं। पिछले साल की तुलना में इस अवधि में डेंगू-मलेरिया के मरीजों की संख्या में बढ़ोतरी हुई है। पिछले साल जनवरी से दिसंबर तक २९८ संदिग्ध डेंगू के मामले जबकि ३८ डेंगू के मामले मिले थे। इस वर्ष इसमें और बढ़ोतरी हुई है। अगस्त और सितंबर में डेंगू से तीन लोगों की मौत हो चुकी है। लेकिन पिछले साल डेंगू से कोई मौत दर्ज नहीं की गई थी। वहीं, पिछले साल मलेरिया के ५८३ मामले मिले थे। इस साल इसमें ढाई गुना बढ़ोतरी होती दिख रही है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक-मुद्रक सीमा गुप्ता के लिए (प्रिंटींग) सागर प्रिंट एंड प्रोसेस, प्रगती इंडस्ट्रीयल, एन.एम. जोशी मार्ग, लोअर परेल (पूर्व), मुंबई - ४०००११ से मुद्रित १०१, १ला माला सेक्टर ११ सी-२८, टी.एम.टी. बस स्टॉप के पीछे, शांतिनगर, मीरारोड (पूर्व), जिला थाना ४०११०७ (महाराष्ट्र) से प्रकाशित संपादक - सीमा गुप्ता, सलाहकार : सुधाकर डी., पी.आर.बी अधिनियम के अंतर्गत समाचारों के चन के लिए उत्तरदायी है। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र केवल जिला थाना रहेगा।
RNI NO. MAHHIN/2004/17839 Mob.No.9757262120 Email :newsjankalyanseva@gmail.com Jankalyan Seva GST No. 27AGUPG9011BIZI